चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ
Chaudhary Charan Singh University, Meerut

पत्रांक : सम्बद्धता/1686
दिनांक :– 13.8.2024

सेवा में,

01. सचिव/प्राचार्य/प्राचार्या,
समस्त सम्बद्ध संस्थान/महाविद्यालय,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

02. समस्त विभागाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष/निदेशक
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, परिसर,
मेरठ।

विषयः– दिनांक 14 अगस्त, 2024 को " विभाजन विभीषन स्मृति दिवस" मनाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया डॉ0 पंकज एल0 जानी, कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी, मा0 राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय पत्रांकः ई–6085/32–जी0एस0/2024, दिनांक 12.08.2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो कि दिनांक 14 अगस्त, 2024 को " विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" मनाये जाने के सम्बन्ध में है।

उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में उपर्युक्त पत्र की प्रति इस आशय के साथ प्रेषित की जा रही है कि पत्र में उल्लिखित दिशा निर्देशानुसार कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

13.08.2024

कुलसचिव

प्रतिलिपिः–

01. सचिव कुलपति को मा0 कुलपति महोदया के संज्ञानार्थ।
02. सचिव कुलसचिव को कुलसचिव महोदय के सूचनार्थ।
03. प्रभारी, वेबसाइट, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
04. प्रेस प्रवक्ता, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

प्रधान सहायक (सम्बद्धता)

ई–मेल

राज्यपाल सचिवालय,उत्तर प्रदेश,
लखनऊ–226027

संख्याः ई– 6085 /32–जी0एस0/2024
दिनॉकः 12 अगस्त, 2024

प्रेषक,

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

कुलपति/निदेशक,
समस्त राज्य विश्वविद्यालय/संस्थान,
उत्तर प्रदेश।

विषयः– **दिनॉक 14 अगस्त, 2024 को "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" मनाये जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि मान्नीय राज्यपाल/कुलाधिपति महोदया की प्रेरणा से विगत वर्ष की भॉति देश के विभाजन के दौरान अपने प्राण न्यौछावर करने वाले लोगों की स्मृति में दिनॉक 14 अगस्त, 2024 को **"विभाजन विभीषिका स्मृति–दिवस"** मनाया जायेगा।

देश का विभाजन किसी विभीषिका से कम नहीं है। देश के लाखों नागरिकों ने अपना बलिदान देकर बहुमूल्य आजादी प्राप्त की है। भारत देश का दो टुकड़ों में बॅट जाने का दर्द लाखों परिवारों में आज भी गहरे जख्म की तरह जीवित है। देश के बंटवारे ने लोगों को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा मानसिक रूप से झकझोर दिया था। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें न सिर्फ भेदभाव एवं दुर्भावना को समाप्त करने की याद दिलायेगा, बल्कि इससे सामाजिक सद्भावना, एकता और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा भी मिलेगी।

उक्त परिप्रेक्ष्य में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि दिनॉक 14 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय के किसी बड़े सभागार में **"विभाजन विभीषिका स्मृति–दिवस"** मनाने हेतु निम्नानुसार कार्यवाही करते हुये **अभिलेखों की प्रदर्शनी**

लगायी जाये तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, स्थानीय नागरिकों, निकटस्थ विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को प्रदर्शनी दिखाने हेतु आमंत्रित किया जाये।

1– विश्वविद्यालय के किसी सभागार में विभाजन विभीषिका से सम्बन्धित **"अभिलेख प्रदर्शनी"** का आयोजन किया जाये, जिसमें तत्कालीन घटनाक्रम के फोटोग्राफ, अखबारों की कतरनें, अन्य साहित्य, राजकीय अभिलेख, विस्थापित परिवारों की संरक्षित सामग्री आदि जो भी उपलब्ध हो, उसका प्रदर्शन किया जाये।

2– भारत–पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी हुयी फिल्मों/डाक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शनी स्थल पर प्रदर्शन किया जाय। इन प्रदर्शनी में बारी–बारी से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को आमंत्रित कर भ्रमण कराया जाये एवं उन्हें इस ऐतिहासिक घटना के प्रति संवेदनशील व जागरूक किया जाये।

3– विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी में उपलब्ध भारत–पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ी हुई पुस्तकों को संकलित कर पुस्तक प्रदर्शनी भी लगायी जाये।

भवदीय,

(डा0 पंकज एल0 जानी)
कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी